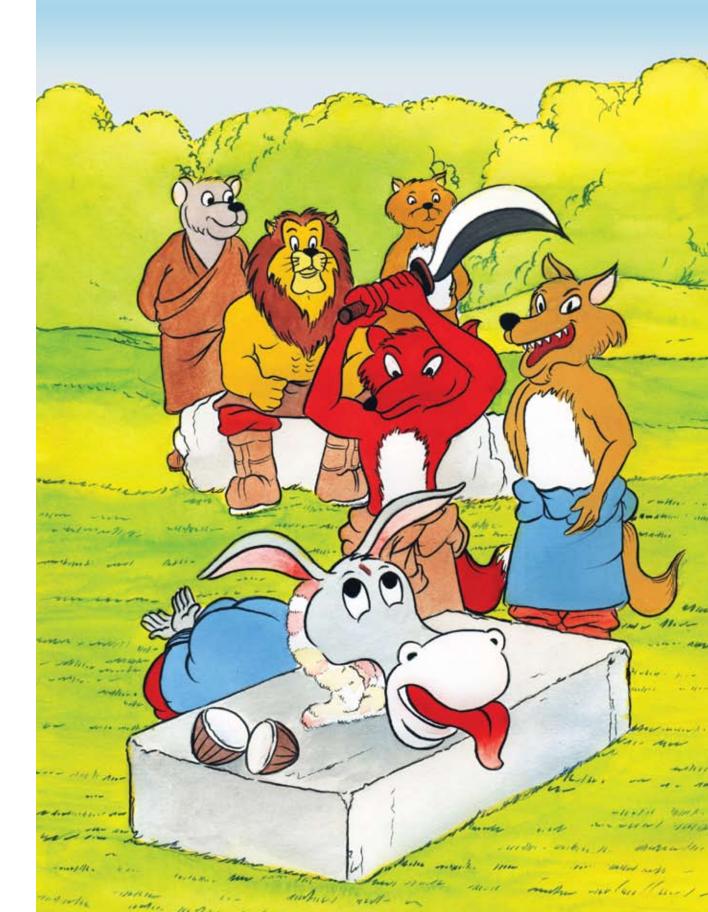


ब्रॅण्डणक्ष'र्से 'संदि'क्ण'केश'चन्द्र'प।

७०। । पावरः मृः स्रोतः नृयम् वार्यः स्रावा कवा वा स्रायः स् बेयमारुव्यायर र्ये विषा वदा अवर ग्रीमारी पार्टा अदार्थ विषा वदा ध्यामार्थ मार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार् भ्रम्यमःदेरः स्वां माळ्यामा ग्री मुलार्स से स्वां माळ्यामा क्षा माळ्यामा क्षा माळ्यामा क्षा माळ्यामा स्वां माळ् <u>दर्दे में जा के दा जो का दारें क</u>्षें जा दावेद गां शुर का रेंदा। च हो प्रते में जा का स्वार्थ के कि स्वार्थ के कि वै.ट.क्र्याक्षेत्राचगातान्टातवायाचित्रववाक्षेत्रयाटाचाववात्रक्षेत्रया ट.क्र्यूनायाक्ष्यवायाच्याच्या इटाटाकुंबाने ने नेटाब्राब्रुयाचे वा खेबा इसका ह्या जोवा चिका है। क्षे अकूता निर्मेटवाता रीटवाता ह्या क्या का ह्येन्र्वं वार्ते प्रत्य स्थान्य वार्षित्र वार्षित्र वार्षित्र वार्षित्र वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे ब्रुंदे वर्ण हेब र्स्व योव हो द हो प्री प्रवा प्रवाद प्रवास है । यह प्रवास कर प्रवास कर कर के विकास कर कर के व मह्रेंद्राची राष्ट्री दावी हो वा हो दार्थ का की दार्थ की वार्य दा की वार्य की वार की वार्य की <mark>८मूंब.तपु.चब.तचब.तर.क</mark>ुंब.त.बो.ल.लूंट.डुब.चर्चट.तर.झूंब.कबोब.क्ट.शब.८बोष.वथं.विब.त.इटी दे.वयाच्युवा.इयाव्येयासविर.क्रीयासेवा.टरा वाच्चवा श्चिरामी रि्र्यालास्वायासवःस्वायासव्यास्वयास्वयाः देयार्ट्यायेवाचेटाग्री.लूटी ब्र्वा.कवायाक्टाशयात्र्टाक्ट्रायायेवाचेयाक्यायायायाया दे चूर विर त्यून चूर विष त्यं प्रचित्र प्रचान होता है से प्रचान के <mark>षिते चुराया क्रे</mark>का पति क्षावया वादा प्रचाया प्रचाया प्रचाय क्षा प्रचाया क्षा प्रचाया क्षा प्रचाया प्रचाय चेत्र्यी नेत्रम्भ्रम्भे प्रमृत्ति देव्या प्रमृत्ति स्तर्मे स्तर्भे प्रमृत्ति स्तर्भे प्रमृत्ति स्तर्भे प्रमृत् र्चेंद्र त्यावा वा की विष्टा ति दें विकास में हो वा पा के विष्या प्रवाचा वा पा में प्रवाच की प् यर्केन्-चुषायानेन्॥

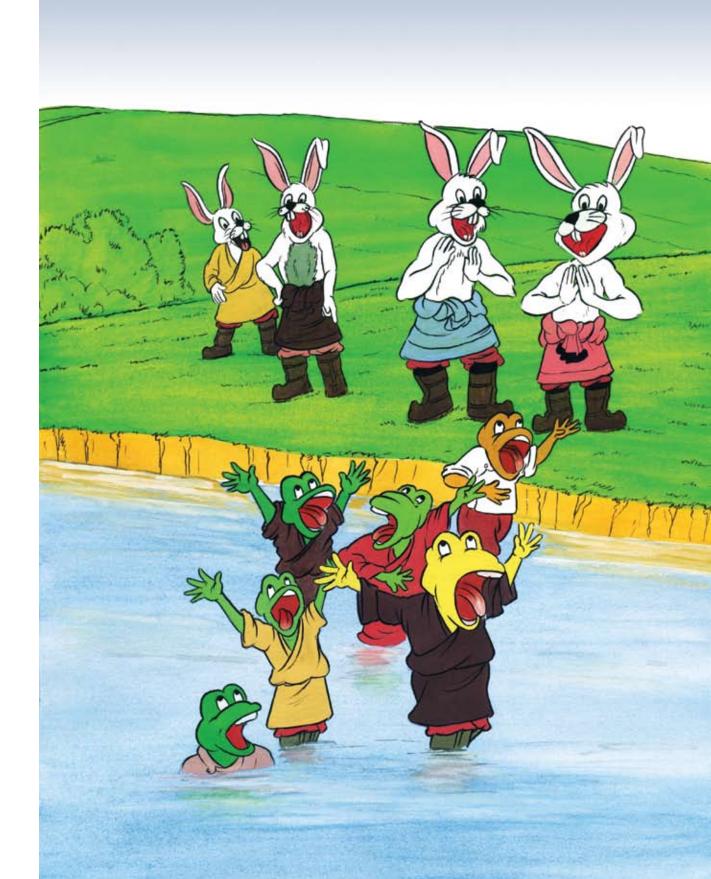
वट.र्ट्रेबी ट्रियं.त.स्थाय.र्ड्रेचय.कुवं.कुपुं.जवा.तपुं.पूर्वा.वया.तथा.वेय.वीट.स्थी



दे'वॅद'व्लु'यद्दर'व।

७७। १२. त्र्रा . त्रेया . त्रेया या १८ के अव . त्रेया क्षेत्र . त्रेया क्षेत्र . त्रेया क्षेत्र . त्रेया व्या व्यः क्रुप्तः स्रान्तः व्या वितावनः द्वना अर्घरावतर र्चेता स्यागुवा वितासूर वितास्य <mark>तर्ळे:चितःचिते:ब्रुटःचक्क्व</mark>णःयःन्टः। नःळःवर्ळे:चःनेःक्षूरःक्क्रेलःवर्नेनःब्रेनःसरःश्रुरःचःनेन। नेरः हेव केव विषा दे चेंद कें केंपाय तर् विषा केंपाय पर दरा केंपाय तर् दे वे विद केंदि तके त्यस है सूर त्र्यम् कु ने धेव सरे न अधर विंद केंब ने अधर विंद केंब ने अधर विंद स्थाने अधर केंब के स्थाने कि साम कि स क्रेव-त्-दे-देप्-देप-दे-अक्ट्य-क्रिय-व्यान्य-व्यान्त-त-न्-देन दे-वय-व्रिय-क्रि-देप-देप-विय-वय-अक्षेतु त्व्याय वित्त क्षित्र क्षेत्र के वित्र क्षेत्र क्षेत्र के वित्र क्षेत्र क्षेत्र के वित्र क्षेत्र के वित्र क्षेत्र के वित्र के वित्र क्षेत्र के वित्र न्दे हु अट रें वेंबर रेने पट वेंट कें बिट हूट हुट न दि तर्रे अळ्यवा न विवास ने हा हु है वे के लेग कुते वर पु अर्केर मार्यते हुं ध्वेव तर्ग विदर्से मार्ग मेर कु वर से पर से पर से पर म्याया अटार्से विवा ने नेंदा केंद्रे म्मून म्यून विदायवा केंद्र व्या कुते व्यट पु अकेंद्र या पविदायते । रे चॅट ग्रेंच ग्रीषा ट रट कें ग्रेंग सुन्न तर्र र रेंद्र शे तर्ग विद्या श्रीट तर्दि ह्या रा ८.४८.क्र्-.लट.भ्रेव.शवय.लूर.परेव.9४१.भेर.चभैय.तथी ४.च्र.क्ट.शय.प्र.४८.क्र्यु.२३. र्श्वेद्र-दे-भ्रिण्यायाध्येद्र-धाःम्बि-द्रवास्य स्ट्री

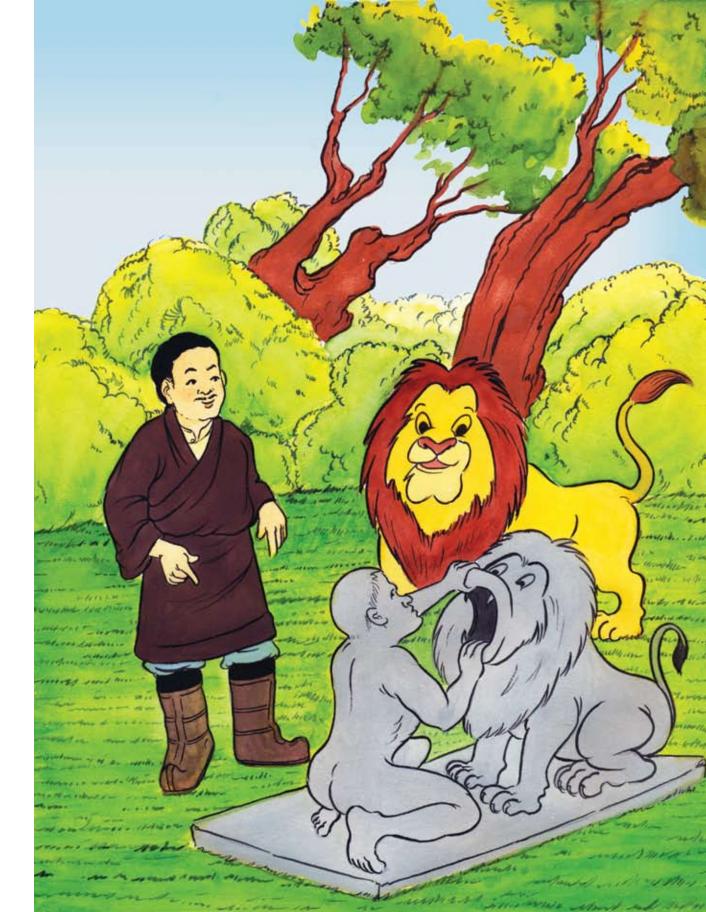
वर-र्नेवा रेवा सेन सेसमान्य प्राप्त वितास्त्र मानीना



ब्रे'न्न'सेन'मेंते'ईंन'ब्रेन'।

७०। विषयः मृत्ये अविषान्तः स्वान्ते विषयः अन्यः नुष्या । विषयः । विवेदाःग्रीयः स्टः स्टः र्से : स्वेदेः सेवायः क्यून् ग्री : स्वेत्यः श्ववायः न्टः स्व : प्रवः स्वायः ग्री : धन् : यः स्टः नर्ह्में प्राचे प्राचित्र में विष्य के विषय के विषय के प्राची विषय के प्राची विषय के प्राची प्राची विषय के प्राची के प्राची विषय के प्राची विषय के प्राची विषय के प्राची विषय के प्राची के प्रा मेबा बेट मे वे ने न्वाय र्येट्य में मुलार्य धिव पाय या वित्र में प्राय में प्राय में प्राय में प्राय में प्राय चम्त्रा विंदः मृद्येषात्रीः र्रेतः मृद्ये दे के उन्धेव वया सुया सुया सुरायदा अर्थे निश्चर पर्देतः से छेत्। दे द्गरसुः अधुनः र्हेन् ग्लोटः छेन् ग्लोवः विन् त्राचा वनायः विन् ग्लोटः यो वनायः विन् ग्लोटः श्लोवयः प्राप्ता या क्रॅंट-देर-क्रुं-र्रेन्य-केव-विग-वीय-बेट-वोदि-त्व्याय-पाय-यय-पावेय-वय-त्वेय-त्व्र-प्रूं-यदे ग्राचु ग्रामा महत्र विवार्धे दाय से दा के दिये से असाया हैं पर्मे सामा चु ग्रामा पह वादे प्रेंदा ग्रावी ८.ज.ब्र्यः क्षेत्रः रेतरः भेवायः त्वायः त्र्यः प्रतः श्रेष्ठाः यथितः रूपे व्राप्तः रेता क्षेत्रः रेटः। श्रः च्र-अपियः रे कूँचबर्चवाबावाः क्रूट्राग्रीः क्रवर्राः श्रेः तर्वाः वामा ववाबाः क्रवाः ग्रीः मुवाः संरावीः वारः श्रेदेः वारा प्रबादियानवीत्राचित्राचित्राचित्राचित्राची श्री तिर्वाचाया दे निवित्राचित्राची तार्श्वावारा स्वीत्राचित्र रे द्वायामृतुयाद्वा ठव र्स्ट याम्बॅद सुदा ठेया प्रमृत् बेर मेया ५ ५। वेया प्रमृत्र दें द्वींद विवा रें वर्ने बर्ने अवावर्षे बर्म राया वार्षे वार् गे विवा वे बार्च के प्राप्त विवादिक वि

वरःर्देव। यर्गवाञ्चनायाचे पर्वे पर्मेयायरः रमा यया



אָריקֿיקריבֿריק

७७। विट्यानेवा स्टावे विवा त्रस्य त्रस्य या स्टाप्ट स्टाप्ट त्या स्टाप्ट स्टाप्ट विवा स्टाप्ट विवा स्टाप्ट स्टाप स्टाप्ट स्टाप्ट स्टाप स्टाप स्टाप स्टाप्ट स्टाप स् गे.रेब.व.ज.रव.तप्ते.व.रेर.व्.श्रेप्यायाः अर्धेर.यपु.रट.अक्टरब.ल्ट.यर् व्ट.येबी ल.डू.श्रे. विचयाकोट में भाषाया भुः अधिवा दे सेट र स्ट स्ट से धर महिंद से माया वियायम् । वारायमाबियायदेशाबिवारमाध्यमम्भानुरार्क्षवायम्याप्तात्रात्रा विमानम् विरावीर्पर चैतुः ह्र्यायात्र्र्ये द्या वारातक्ष्ययाव्याच्या स्वास्वा रहेवा सर्वेरास र्राट्या स्वास्वा देवा स्वास्वा देवा वरःरः अरः र्ये प्रेंद्रः यः दब्यं अर्वेदः चुदः । ब्रिदः रदः तद्देरः श्चुवाबः छदः । दबः विदः स्वेः ब्रिदः रदः वीः बर-वितर्स्य विवायम्य बर-विवार्यर पुरी स्नित्र कर धित केवाया अक्षा गुवा सुवा ववा नम्द र्वेट स्वान्य विष्य विष्य विष्य निष्य मित्र स्वान विष्य स्वान विष्य स्वान विष्य स्वान र.क्ट.त्र.बुट.घव.कूट.वय.चूय.हूब. र.कूब.वाड्व.वी.धुट.ज.वाड्व.प्यावेड्व.एकुव.सूब.पर्यू. नुषाळदायाबेटावेदिःवियात्रवातुःग्वन देहिषार्येटानुःग्वेरार्थेदार्थेटाकेश्चेतवायाळेदार्येदेट्टा <u> इ.रेवाब.ग्र</u>ी.भ्रेज.त्.लवाब. वाट.पट.पटेवा.वात्रा टप्ट.क्रूंचब.वीट.ज.पूट.क्रू.वा.क्रूट.भ्रेवा.त्र. र्बेट्राट्यावेबाचन्त्र बेट्राचेबारान्य अत्राचित्र रेट्राचेषा रेट्राचेत्र वाया खेट्राबेया रुद्राचेत्र खेट्राचेबाया क्रुषायदत्ये द्वा द्वा ग्रुट्ग विदेशत्रे सेद्राच्ययाव्य स्वा विवा केंद्र देशेयाया सेद्र विदेश विदेश र्वेदःतुःवे न्नुनःकःने ग्वें नुबार्श्वेनबायान्दान्वायार्श्वे ठेवा ठरानु क्रेबिन अनुवायानर्क्केन ने ॥

बर.रूबी पहुर्वायाश्च.येर.चर.श्चेवा.त.जबारशेर.त.रेवावी



ਸ਼ੂਵਾਰਵਾਐਵਾਂਸੇਾ

७० । पावतः स्टार्से ग्राटार्मे पार्से दार्स हिंदा स्टार्स हिंदा स्टार्म हिंदा स्टार्म हिंदा स्टार्म हिंदा स्टार्म हिंदा स्टार्म हिंदा हिंदा है। स्टार्म हिंदा हिंदा हिंदा है। स्टार्म हिंदा हिंदा है। स्टार्म हि मुड्रेम्'सुर्माट्रस्रर्भ्याद्धिस्'द्धेव्रस्'रेन्। हेव्रिबेम्'व्यम्स्राक्ष्यःक्षेत्रेक्षेत्रःविम् र्येद्राबराङ्कीयवादुवाबोटावी विवाद्राद्यद्य भ्रम्यवादेराबेटावीवायळे हेरार्रेयवाद्यवाह्या म्वाजान्त्र क्षेत्र क् विद्राष्ट्री प्राप्त के वर्ष रायहे वर्ष वर्ष रायह में वर्ष होत्र हो हो हो हो है राष्ट्र वर्ष प्राप्त हो वर्ष हो हो है राष्ट्र वर्ष प्राप्त हो हो हो हो है राष्ट्र हो राष्ट्र हो है राष्ट्र हो है राष्ट्र हो है राष्ट्र हो तर्ने तर्र मुद्र मुद्र ने बाबेट जोते स्वाया र्वेण व्यायय हे बाबी की प्रें की विवाद द्रै ग्लाद्राया वा के क्रिया हे द्राया हे द्राया हिना का का वा का का वा का का वा का का वा का का का का का का का म्ल.मी.भैनयरिट.नर्भेय.यय.४८.वेय.मट.लूर.मीय.सूर्या.हीयी कैनय.जुवाय.त.खेवा.ज.मीट. म्त्रीया.चीया.सीया.कुर्य.सू.खीया.कार्च्य.प्या.प्र्या.जा.या.या.सीया.पु.य.पु.य.र.री.पा.चीया. सुवादेवे वरातु रावाविकारवावों का वका नक्ष्र थेंना रादे कें का ब्राट वें वा वीका देवे वरा रु'तळट पा नक्कित पर दिवाद में बिंदा देश अपन्ति । चुनार्य र र रे केंन श्रार दे र न सुद र रे र वें वनबासुः अर्वे। र्वे सुरसुर सुर ग्रीबार रेवें वार्या वार वित्र ग्रीबार मुद्दा विवास स्वार ग्रीबार में चञ्चण'व्याच्यून'र्धेन'सून्याच्चर'र्वेण'वीय'र्चेन'र्ञ्चेय'च्चराने'च्यून् र'दे'र्स्चयास्त्र'स्त्र्न् <u>८षाष्ट्रीतृ स्ट्रेंति से स्ट्रेत प्रहर्त प्रहेत से सुन्य प्रते पर्ने सूर्विण पर्ने स्ट्रेल से स्वत्र</u>

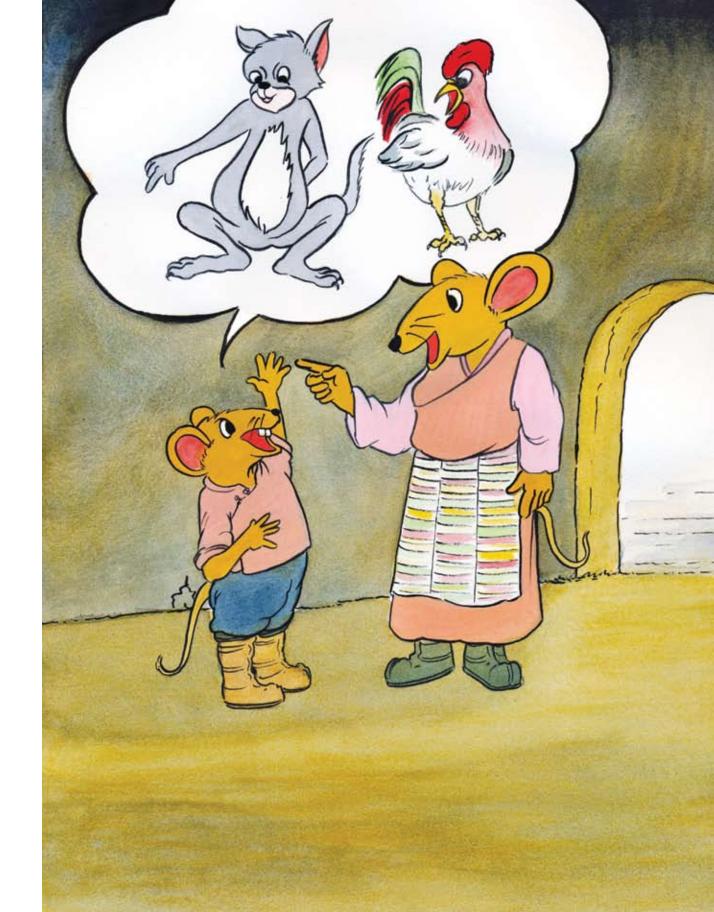
वरःर्नेवा ग्रान्यःन्ग्रामःवःक्रेंनवःभुमावःधेवा



ਫੇ'ਫੇ'ਫ਼ुन'ਫ਼ुन'पी'से'ਛेंदे'लुसस'झुँन'।

७७। । पावतः ऋः व्रें. व्रें. क्रुं टः क्रुं टः विषाः पें प्रिं वें तिहेषाः हेवः तिने रः श्लेष्य अधिषाः प्रेवः यमः तहिवा हे व तदिते से अमा रुव सा दिराधार मुमा अदत अदा हे व विवा रेवा सुर विवा स्वा क्वाबारी तर्ना विवासिंद विवासि दे देटाटमार्श्चेया कवाना थे तर्दा चाविना अर्थेटा चुटा विष्ठेवा दे से अन्याय स्वादा अर्देवा विर्धे विवायन्व विवायन्व विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवासन्त विवासन्त विवासन्त विवासन्त विवासन मैश्रास्त्रुन्ति वित्र्यूट्र कं प्रति सेस्र एक देवे सर्वे प्रति स्रों प्रति में स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्र र्विषाम् अस्य मुन्ना नुषान् राज्या किर्मे स्वापानिय विष्या मित्रा मान्या मित्रा स्वापानिय स्वेर से से र्यःदेशःस्त्रुवः न्रञ्ञयः ग्रीवः वर्षे गीः वर्षा । नः नुष्टः विदेश्वा चुवार्यः यदिः वाध्यः वादिवः वादिवः वर्षः मर्वेषा'य'महेष'र्येष'क्षेप'र्द्धय'क्षेप'र्द्धय'त्रेद्ध'त्री'त्रुष'ठेष'यम् । क्षेर्'र्वेष'यम् । दरा षायम नेयम उद्यादि हार्से विरायम्बरि रेरी मिया विरायम्बरि रेपि मिया विरायम्बरि रेपि मिया से रिकेश नम्दारम्या द्वाराकुरादे । अप्यादे : भ्रादा । अस्त । अस **ल.त्र.जवाया मूर्वा.कवाय.वावय.**टे.खे.पह्त्र.क्.त्राट्वा.व.ट्र्वा.पर्ट्या ह्य.खे.खे.खे.खे.खे.खे.खे.खे.खे.खे. मुंग्यार्युप्तः इस्रात्युर्त्रात्ये पार्ट्रित्या पार्ट्रिट्या क्षेत्रहेर्स्य स्रापानित्रात्रित्राची पार्ट्रिट्य <u> जैबाला हैं। तर्षा भी ने पुरान वा भिनात ने वा भिर्व माल परिया है वा स्थान है ने पाय स्थान ने प्राप्त स्थान स</u> अर्देट्संदेबा ट्याण्यवार्अचिट्योः तर्वा ठेवायम् विष्ठाः अवस्थायम् विष्ठाः दे र केंद्रि न्यार्चे वि के चे र अपन्य दे रे द्र्री विंदी तिष्ठि मा या व्याप्य र विंच के द्री विंच या के र <u>च.ल.५८८७ थ.तन्ति व्र.कृट.कृट.प्रेय.ल.ष.घषु.त्याप.श्रूच.ल.ल.क्ष्य.कृष.त्यायाया.श्रू</u>. गर्हेव गीव नश्रू र य रे र्।।

वरर्नेवा पत्रराद्याष्ट्रीर्मेयावयाश्चीम्या



गश्चराष्ट्री'ङ्गॅ'रा

७७। विषयः इ.स्.व. सीवा तीवा स्वचर चुर स. विषा सूर स. सूरी तीवा सचर वी तस्यू. स. स् करार्नुयाबेरावरायार्मेवाज्ययाबेवाची वरातुः र्क्र्रियां ग्री विषानेवा विषानेवा विषानेवा विषानेवा विषानेवा विषाने ग्रे-लॅर् हेर्विन हिं-रे-ल से हिर प्रस्ता पर पर्ये प्रस्ति है से हिन है न से प्रस्ति है से प्रस्ति है से प्रस् नवरमेवानुन्यत्वमारीनुनेवरानुन्यत्वेरार्धेरानान्दर्भे नुतेम्राम्यवापमानस्यमः ह्रेषा ये भिरादे त्य व्याप्त विष्या दे विषय श्रीया निवाद योषा दे मुन्ते निवाद विषय विषय विषय विषय <u>षरः ब्लेट हे ब्ले</u>य वया पर्येट व्यया ग्री केट संस्टित हे वया शुपा नवट पी खेळवा या ब्लेट हे। दे चु-दे-त्य-वद-स्ट-पावव-र्थेद्-ग्री-रेद्रा विद-स्ट-बेबब-वित्य-स्वेद-से-नेद-ग्री-रेद्रा बद-देवारमारी मुन्दे रियातिहरावमार्मेदारावमारमी धिवानम्यावमारेदि दर्मेदार्थे स्याधार्मेमा द्यांबेवा.यंच्यावेयावेयावेयायक्रेटाराप्रेटी क्रि.धेवाब्यायायीवा.यंचटालराज्यायेयाप्राट्यावेयाप्राट्या विष्ठेरहे रे वा बे वि न वश्चवायर वर्षे न वे बार्ष अव बारे हा ने यर नु न न या न र मर परि वण्यादे द्र्यें याचर तर्ये दुषात्रु सुरादुर दुर्र चुर्दे ल्याचित्र शुयादेर प्रवेर प्रवेर केया केया चेद <u>घते न्द्रं मर्रे विवार्धेन परेना युवान वर्षः भाषा मर्थे वर्षे मर्ते स्वरं ने स्वरं निश्चवाया वर्षः सुर् न्याने</u> वै ग्वेर ग्रे क्वें प्रवेष भेव पर रेट्र श्वा प्रवास्त्र देवार विषय विषय कि विषायानेता ते वषा शुवा प्रवार वीषाने चुनि र हैं ह्यूत वषान्य विषातु करा प्राप्त र दिन वार्वराग्रीः ह्वीं रादे त्र्येर प्राचराष्ट्रेव प्रवास्त्र वर्गेर अर्घे र्घे रवा है विष्यर ग्रीवर्गे वा का कर हिंवा प्रमास्त्रास्त्र मुन्ना विष्या तर्र रायदेश स्राय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय नबर्मा निक्तं निर्मा क्षित्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्षय क्ष्या क्

चि.चार्षय.चित्रमञ्जूचा.चुय.च्यय.च्या.चित्रा.चीत्र. गुरावितरार्झेरावितरावी सेना नेरावहेवा लुवानवरावी नवतः त्रुवारी मुंदि हो के विदेश त्र्वायः रेत्। शुवाः च बरः वीः च बरः ह्वः वे वे व क्षेर.मूर्वायायाया.पर्चेर.कंब.क्ष्.रेट.यथेत्र.रे.क्वेय. क्रेन् केषाव्यार्क्न्य पान्य द्वी दें राज्ञी व्या र्यवार्यट वीर्यन्। श्वा नज्ञ न वीषान् कर र वेदःग्रीःवर्ळेः चःदेरःरेवः घटः ग्वटः विगः व्ववः र्थेन् सेन् गुरमेषाग्री सेन् विं<mark>रणी प्रचय ह्नित</mark>े मुॅवबर्ज्ञःक्र्यःक्र्यःकाष्ट्रीतःस्टःक्र<mark>ितःबटःवीःर</mark>ीः ᢖॱदेबःदेवःरेरःर्झें रःरेः यबः<mark>वार्हेरःवीः येदः</mark>

